प्रेस विज्ञप्ति

आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति

सरदारशहर 331 401

Email : terapanthpr@gmail.com * Fax : 01564-220 233

दुनिया में कोई अमर नहीं : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 3 जुलाई , 2010

आचार्य महाश्रमण ने बौद्ध ग्रंथ धम्मपद एवं जैनागम उत्तराध्यन पर तुलनात्मक प्रवचन करते हुए कहा कि दुनिया में कोई अमर नहीं है, पर आदमी व्यवहार अमर की तरह करता है। जो इस शरीर में नश्वत समझता है, वह अहंकार से दूरी रख सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने के लिए अनुकंपा के भाव विकसित करें। आचार्य महाश्रमण ने कहा कि आदमी को अभय का विकास करना चाहिए। जिसमें अहिंसा का विकास होता है उसमें अभय के भाव पुष्ठ हो जाते हैं।

उन्होंने अहिंसा यात्रा के दौरान नक्सलवाल प्रभावित झाबूआ जिले की यात्रा के संस्मरणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज अहिंसा, प्रामाणिकता का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

आचार्य महाश्रमण ने की दूसरे दीक्षा महोत्सव की घोषणा

17 सितम्बर को मुमुक्षु ललीता की होगी साध्वी दीक्षा

आचार्य महाश्रमण ने अपनी जन्मभूमि पर महरबानी करते हुए दूसरे दीक्षा महोत्सव की घोषणा की है। पहला दीक्षा महोत्सव 25 जुलाई को नव निर्मित तेरापंथ भवन में आयोजित होगा। जिसमें समणी विनम्रप्रज्ञा, समणी आदर्शप्रज्ञा, समणी ऋषिप्रज्ञा, समणी मौलिकप्रज्ञा, समणी रविप्रज्ञा, समणी दिव्यप्रज्ञा, समणी प्रशमप्रज्ञा को साध्वी दीक्षा प्रदान करेंगे और दूसरा दीक्षा महोत्सव 17 सितम्बर को आयोजित होगा। इस अवसर पर अनेक मुमुक्षु भाई-बहिनों को मुनि, साध्वी एवं समणी दीक्षा प्रदान की जायेगी। उन दीक्षार्थियों के नामों की शुरूआत करते हुए आज प्रवचन के दौरान अपनी संसार पक्षीय भतीजी सरदारशहर निवासी, मुंबई प्रवासी मुमुक्षु ललीता को साध्वी दीक्षा प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने पचपदरा की मुमुक्षु अनिता, मुमुक्षु कीर्ति, मुमुक्षु अल्पा, मुमुक्षु रेखा, बायतु की मुमुक्षु मीना, सुजानगढ़ की मुमुक्षु सोनम, नोखा की मुमुक्षु नन्दा, पीपली की मुमुक्षु मीना, राजलदेसर की मुमुक्षु मधु, सुजानगढ़ की शिखा को प्रतिक्रमण सीखने की अनुमति प्रदान की। इससे पूर्व पारमार्थिक शिक्षण संस्था के संयोजक डूंगरमल बागरेचा ने मुमुक्षु बहिनों की दीक्षा करवाने हेतु निवेदन किया। मुमुक्षु ललीता आदि ने दीक्षा की अर्ज गीत के द्वारा की। मुमुक्षु बहिनों ने सामूहिक गीत का संगान कर आचार्य भिक्षु समाधि स्थल सिरियारी में लगे शिविर की झलकियां प्रस्तुत की। इस शिविर में गये समणी ऋजुप्रज्ञा, समणी श्रेयस प्रज्ञा, बजरंग जैन, डूंगरमल बागरेचा के श्रम की सरहाना की गई। संचालन मुनि मोहजीत कुमार ने किया।

– शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)